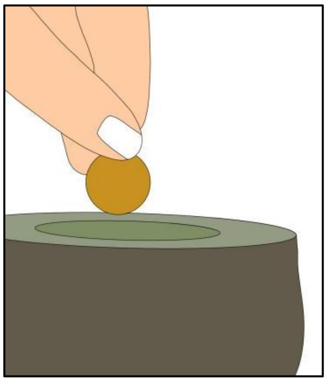


दान देने का ईसाई रिवाज

भिक्षा - कपड़े, खाना, या पैसा जो गरीब लोगों को दिया जाता है

गॉस्पेल

ध्यान रखना कि तुम लोगों को दिखाने के लिए उनके सामने दान न करो, नहीं तो तुम्हें स्वर्ग में रहने वाले अपने पिता से कोई इनाम नहीं मिलेगा। इसलिए जब तुम दान करो, तो अपने सामने तुरही मत बजाओ, जैसा कि पाखंडी लोग सभाओं और सड़कों पर करते हैं, ताकि लोग उन्हें पहचान सकें। मैं तुमसे सच कहता हूँ, उन्हें उनका इनाम मिल चुका है। लेकिन जब तुम दान करो, तो अपने बाएं हाथ को यह न जानने दो कि तुम्हारा दाहिना हाथ क्या कर रहा है: ताकि तुम्हारा दान गुप्त रहे: और तुम्हारा पिता जो गुप्त में देखता है, वह तुम्हें खुले तौर पर इनाम देगा। मैथ्यू 6:1-4

यीशु ने जवाब दिया, " एक आदमी यरूशलेम से जेरिको जा रहा था, और चोरों ने उसे पकड़ लिया, और उसके कपड़े उतारकर उसे घायल कर दिया, और उसे अधमरा छोड़कर चले गए। और इत्तेफ़ाक से एक पुजारी उसी रास्ते से नीचे आ रहा था: और जब उसने उसे देखा, तो वह दूसरी तरफ़ से चला गया। और इसी तरह एक लेवी भी, जब वह उस जगह पर था, आया और उसे देखा, और दूसरी तरफ़ से चला गया। लेकिन एक सामरी, जो सफ़र कर रहा था, वहाँ आ गया: और जब उसने उसे देखा, तो उसे उस पर दया आई, और वह उसके पास गया, और उसके घावों पर तेल और शराब डालकर पट्टी बाँधी, और उसे अपनी गाड़ी पर बिठाकर एक सराय में ले गया, और उसकी देखभाल की। और अगले दिन जब वह चला गया, तो उसने दो पैसे निकाले, और मेज़बान को दिए, और उससे कहा, उसकी देखभाल करना; और जो कुछ भी तुम ज़्यादा खर्च करोगे, जब मैं वापस आऊँगा, तो मैं तुम्हें चुका दूँगा।" अब इन तीनों में से, तुम्हारी सोच में, जो चोरों के बीच गिर गया था, उसका पड़ोसी कौन था? उसने कहा, वही जिसने उस पर दया की। तब यीशु ने उससे कहा, जाओ, और तुम भी ऐसा ही करो। लूका 10:30-37

बल्कि जो कुछ तुम्हारे पास है, उसे दान कर दो; और देखो, सब कुछ तुम्हारे लिए शुद्ध हो जाएगा। लूका 11:41

जो कुछ तुम्हारे पास है, उसे बेचकर दान कर दो; और अपने लिए ऐसे थैले बनाओ जो पुराने न हों, स्वर्ग में ऐसा खज़ाना जो कभी खत्म न हो, जहाँ न चोर पहुँचता है, न कीड़ा बिगाड़ता है। क्योंकि जहाँ तुम्हारा खज़ाना है, वहीं तुम्हारा दिल भी होगा। लूका 12:33-34

अधिनियमों

अब पीटर और जॉन प्रार्थना के समय, यानी नौवें घंटे में, मंदिर में साथ गए। और एक आदमी जो अपनी माँ के पेट से लंगड़ा था, उसे हर दिन मंदिर के गेट पर रखा जाता था, जिसे सुंदर कहा जाता है, ताकि वह मंदिर में आने वालों से भीख माँगे। पीटर और जॉन को मंदिर में जाते देखकर पीटर ने भीख माँगी। और पीटर ने जॉन के साथ उस पर नज़रें गड़ाकर कहा, "हमें देखो।" और उसने उन पर ध्यान दिया, यह उम्मीद करते हुए कि उनसे कुछ मिलेगा। तब पीटर ने कहा, "चाँदी और सोना मेरे पास नहीं है; लेकिन जो मेरे पास है, वह मैं तुम्हें देता हूँ: नासरत के यीशु मसीह के नाम पर उठो और चलो।" और उसने उसका दाहिना हाथ पकड़कर उसे उठाया: और तुरंत उसके पैरों और टखनों की हड्डियों में ताकत आ गई। और वह उछलकर खड़ा हो गया, और चलने लगा, और उनके साथ मंदिर में चला, और कूदता, और परमेश्वर की स्तुति करता हुआ गया। प्रेरितों के काम 3:1-8

और जो लोग विश्वास करते थे, उनमें से बहुत से लोग एक दिल और एक जान के थे: उनमें से किसी ने भी यह नहीं कहा कि जो कुछ उसके पास है, वह उसका अपना है; बल्कि उनकी सब चीज़ें साझी थीं। और प्रेरितों ने बड़ी ताकत से प्रभु यीशु के फिर से जी उठने की गवाही दी: और उन सब पर बड़ी कृपा थी। उनमें से किसी को कोई कमी नहीं थी: क्योंकि जितने लोगों के पास ज़मीन या घर थे, उन्होंने उन्हें बेच दिया, और बेची हुई चीज़ों की कीमत लाकर प्रेरितों के पैरों पर रख दी: और हर आदमी को उसकी ज़रूरत के हिसाब से बाँट दिया गया। और योसेस, जिसका नाम प्रेरितों ने बरनबास रखा था, (जिसका मतलब है, दिलासा देने वाला बेटा), साइप्रस देश का एक लेवी था, जिसके पास ज़मीन थी, उसने उसे बेच दिया, और पैसे लाकर प्रेरितों के पैरों पर रख दिए। प्रेरितों के काम 4:32-37

याफा में तबीथा नाम की एक चेली थी, जिसका मतलब दोरकास है: यह औरत बहुत सारे अच्छे काम और दान करती थी। प्रेरितों के काम 9:36

कैसरिया में कॉर्नेलियस नाम का एक आदमी था, जो इटैलियन बैंड का एक सेंचुरियन था। वह एक नेक आदमी था, और अपने पूरे घराने के साथ भगवान से डरता था, लोगों को बहुत दान देता था, और हमेशा भगवान से प्रार्थना करता था। उसने दिन के नौवें घंटे के करीब एक दर्शन में देखा कि भगवान का एक फरिश्ता उसके पास अंदर आया, और उससे कहा, कॉर्नेलियस। और जब उसने उसे देखा, तो वह डर गया, और कहा, हे प्रभु, क्या बात है? और उसने उससे कहा, तेरी प्रार्थनाएँ और तेरे दान भगवान के सामने यादगार के लिए पहुँच गए हैं। प्रेरितों के काम 10:1-4

और कुरनेलियुस ने कहा, चार दिन पहले मैं इसी समय तक उपवास कर रहा था; और नौवें घंटे मैं अपने घर में प्रार्थना कर रहा था, और देखो, एक आदमी चमकीले कपड़े पहने हुए मेरे सामने खड़ा था, और कहा, कुरनेलियुस, तेरी प्रार्थना सुन ली गई है, और तेरे दान परमेश्वर के सामने याद रखे गए हैं। प्रेरितों के काम 10:30-31

मैंने तुम्हें सब बातें बताई हैं कि कैसे मेहनत करते हुए तुम्हें कमज़ोरों को सहारा देना चाहिए और प्रभु यीशु की बातें याद रखनी चाहिए, कि उन्होंने कहा था, लेने से देना ज़्यादा अच्छा है। प्रेरितों के काम 20:35

और इसी से मैं खुद को परखता हूँ, कि परमेश्वर और मनुष्यों के प्रति मेरा विवेक हमेशा बिना किसी अपराध के रहे। अब कई सालों के बाद मैं अपने लोगों को दान और भेंट देने आया हूँ। प्रेरितों के काम 24:16-17

जिसने चोरी की है, वह अब और चोरी न करे; बल्कि मेहनत करे, अपने हाथों से अच्छी चीज़ें बनाए, ताकि जिसे ज़रूरत हो, उसे देने के लिए उसके पास कुछ हो। इफिसियों 4:28

अपोक्रिफा

मैं टोबिट अपनी ज़िंदगी के सारे दिन सच्चाई और इंसाफ़ के रास्ते पर चला हूँ, और मैंने अपने भाइयों और अपने देश के लोगों के लिए बहुत से दान किए हैं, जो मेरे साथ नीनवे, यानी असीरिया के देश में आए थे। टोबिट 1:3

और एनेमेसार के समय में मैंने अपने भाइयों को बहुत दान दिया, और अपनी रोटी भूखों को और अपने कपड़े नंगे को दिए: और अगर मैंने अपने देश में किसी को मरा हुआ देखा, या नीनवे की दीवारों के आसपास फेंका हुआ देखा, तो मैंने उसे दफ़ना दिया। टोबिट 1:16-17

अपनी जायदाद में से दान करो; और जब तुम दान दो, तो तुम्हारी नज़र जलन से न भरे, न ही किसी गरीब से अपना मुँह मोड़ो, और भगवान का मुँह तुमसे दूर नहीं होगा। अगर तुम्हारे पास बहुत है तो उसी हिसाब से दान करो: अगर तुम्हारे पास थोड़ा है, तो उस थोड़े के हिसाब से देने से मत डरो: क्योंकि तुम ज़रूरत के दिन के लिए अपने लिए एक अच्छा खज़ाना जमा कर रहे हो। क्योंकि वह दान मौत से बचाता है, और अंधेरे में नहीं आने देता। क्योंकि दान उन सभी के लिए एक अच्छा तोहफ़ा है जो इसे सबसे ऊँचे की नज़र में देते हैं। टोबिट 4:7-11

अपनी रोटी भूखे को दो, और अपने कपड़े नंगे को दो; और अपनी बढ़ती के अनुसार दान करो: और दान देते समय तुम्हारी आँखों में जलन न हो। टोबिट 4:16

प्रार्थना, उपवास, दान और नेकी के साथ अच्छी है। नेकी के साथ थोड़ा, बुराई के साथ ज़्यादा से बेहतर है। सोना जमा करने से दान देना बेहतर है: क्योंकि दान मौत से बचाता है, और सारे पापों को धो देता है। जो लोग दान और नेकी करते हैं, वे जीवन से भर जाएँगे: टोबिट 12:8-9

तो टोबिट ने परमेश्वर की स्तुति करना बंद कर दिया। और जब वह 850 साल का था, तब उसकी आँखों की रोशनी चली गई, जो आठ साल बाद वापस आ गई: और उसने दान दिया, और वह प्रभु परमेश्वर के डर में बढ़ गया, और उसकी स्तुति करने लगा। टोबिट 14:1-2

और मुझे और अपनी माँ को मेरे साथ अच्छे से दफ़नाना; लेकिन अब निनवे में और देर मत करना। याद रखना, मेरे बेटे, अमन ने अकियाकारस के साथ कैसा बर्ताव किया जिसने उसे पाला-पोसा, कैसे उसे रोशनी से निकालकर अंधेरे में ले आया, और कैसे उसे फिर से इनाम दिया: फिर भी अकियाकारस बच गया, लेकिन दूसरे को उसका इनाम मिला: क्योंकि वह अंधेरे में चला गया। मनश्शे ने दान दिया, और मौत के उन फंदों से बच गया जो उन्होंने उसके लिए बिछाए थे: लेकिन अमन फंदे में फँस गया, और मर गया। इसलिए अब, मेरे बेटे,

सोचो कि दान क्या करता है, और नेकी कैसे बचाती है। जब उसने ये बातें कहीं, तो उसने बिस्तर पर ही दम तोड़ दिया, वह एक सौ पचास साल का था; और उसे इज्ज़त से दफ़नाया गया। टोबिट 14:10-11

जल धधकती आग को बुझाता है; और दान पापों का प्रायश्चित करता है। सिराच 3:30

प्रार्थना करते समय हिम्मत मत हारो, और दान देने में लापरवाही मत करो। सिराच 7:10

जो हमेशा बुराई में लगा रहता है, और जो दान नहीं देता, उसका भला नहीं हो सकता। सिराच 12:3

मनुष्य का दान उसके पास मुहर के समान है, और वह मनुष्य के अच्छे कामों को अपनी आंख की पुतली की नाईं संभालकर रखेगा, और अपने बेटे-बेटियों को पश्चाताप का अवसर देगा। सिराच 17:22

अपने भंडार में दान जमा करो: और यह तुम्हें सभी दुखों से बचाएगा। सिराच 29:12

जो सोने से प्यार करता है, वह नेक नहीं ठहरेगा, और जो बिगड़े हुए कामों में लगा रहता है, उसे वही मिलता रहेगा। सोना बहुतों की बर्बादी का कारण बना है, और उनकी बर्बादी पहले से ही थी। जो लोग इसे चढ़ाते हैं, उनके लिए यह ठोकर का कारण है, और हर मूर्ख इसके साथ पकड़ा जाएगा। धन्य है वह अमीर जो बिना किसी दोष के पाया जाता है, और सोने के पीछे नहीं भागता। वह कौन है? और हम उसे धन्य कहेंगे: क्योंकि उसने अपने लोगों के बीच अद्भुत काम किए हैं। कौन इसके द्वारा परखा गया है, और सही पाया गया है? तो उसे गर्व करना चाहिए। कौन गलती कर सकता है, और उसने गलती नहीं की? या बुरा काम किया है, और उसने उसे नहीं किया? उसका माल पक्का होगा, और मंडली उसके दान का ऐलान करेगी। सिराच 31:5-11

जो अच्छाई का बदला चुकाता है, वह बढ़िया आटा चढ़ाता है; और जो दान देता है, वह तारीफ़ का बलिदान चढ़ाता है। सिराच 35:2

भाई और मदद मुसीबत के समय के खिलाफ हैं: लेकिन दान उन दोनों से ज़्यादा बचाता है। सिराच 40:24

बाइबिल की खोई हुई पुस्तकें

धन्य और हमेशा गौरवशाली वर्जिन मैरी, जो डेविड के शाही खानदान और परिवार से थीं, नाज़रेथ शहर में पैदा हुई थीं और उन्होंने येरुशलम में प्रभु के मंदिर में शिक्षा ली। उनके पिता का नाम जोआकिम और माँ का नाम अन्ना था। उनके पिता का परिवार गैलिली और नाज़रेथ शहर में था। उनकी माँ का परिवार बेथलहम में था। उनका जीवन प्रभु की नज़र में सादा और सही था, इंसानों के सामने पवित्र और बेदाग था। क्योंकि उन्होंने अपनी सारी दौलत तीन हिस्सों में बाँट दी थी: एक हिस्सा उन्होंने मंदिर और मंदिर के अधिकारियों को दिया; दूसरा हिस्सा उन्होंने अजनबियों और गरीब लोगों में बाँटा; और तीसरा हिस्सा उन्होंने अपने और अपने परिवार के इस्तेमाल के लिए रखा। मैरी के जन्म का सुसमाचार 1:1-4

जोआकिम, मुझे देखकर डरो मत और न ही परेशान हो, क्योंकि मैं प्रभु का एक दूत हूँ जिसे उसने तुम्हारे पास भेजा है, ताकि मैं तुम्हें बता सकूँ कि तुम्हारी प्रार्थनाएँ सुनी गई हैं, और तुम्हारे दान परमेश्वर की नज़र में पहुँचे हैं। मरियम के जन्म का सुसमाचार 2:3

बाद में देवदूत उसकी पत्नी अन्ना को दिखाई दिया और कहा: डरो मत, और जो तुम देख रहे हो उसे आत्मा मत समझो। क्योंकि मैं वही देवदूत हूँ जिसने तुम्हारी प्रार्थनाएँ और दान परमेश्वर के सामने रखे हैं, और अब मुझे तुम्हारे पास भेजा गया है, ताकि मैं तुम्हें बता सकूँ कि तुम्हारे यहाँ एक बेटी पैदा होगी, जिसका नाम मरियम होगा, और वह सभी औरतों से ज़्यादा धन्य होगी। मरियम के जन्म का सुसमाचार 3:1-2

हरमास के चरवाहे की तीसरी किताब 2:1-13 (समानताएँ)
1 जब मैं खेत में जा रहा था, और एल्म और अंगूर की बेल को देख रहा था, और उनके फलों के बारे में सोच रहा था, तो एक देवदूत मेरे सामने आया, और मुझसे कहा; तुम इतने दिनों से अपने मन में क्या सोच रहे हो?
2 और मैंने उससे कहा, सर, मैं इस बेल और इस एल्म के बारे में सोचता हूँ क्योंकि उनके फल अच्छे होते हैं। और उसने मुझसे कहा; ये दोनों पेड़ भगवान के सेवकों के लिए एक उदाहरण हैं।
3 और मैंने उससे कहा, सर, मैं जानना चाहता हूँ कि इन पेड़ों का पैटर्न क्या है जिनका आप ज़िक्र कर रहे हैं। उसने कहा, सुनो; क्या तुम इस बेल और इस एल्म को देख रहे हो? सर, मैंने कहा, मैं उन्हें देख रहा हूँ।
4 वह कहता है, यह बेल फल देने वाली है, लेकिन एल्म का पेड़ बिना फल का है। फिर भी, यह बेल अगर इस एल्म के सहारे न टिकी हो और इसका सहारा न लेती हो, तो ज़्यादा फल नहीं देगी; बल्कि ज़मीन पर पड़ी रहने पर कम फल देगी, क्योंकि यह एल्म पर लटकी नहीं रहती; जबकि एल्म पर टिकी होने पर यह अपने लिए और उसके लिए भी फल देती है।
5 तो देखो, एल्म का पेड़ बेल से कम नहीं, बल्कि ज़्यादा फल देता है। मैंने पूछा, सर, यह बेल से ज़्यादा फल कैसे देता है? क्योंकि, उसने कहा, एल्म पर टिकी बेल बहुत ज़्यादा और अच्छा फल देती है; जबकि, अगर यह ज़मीन पर पड़ी रहे, तो यह बहुत कम फल देगी, और वह भी बहुत बुरा।
6 इसलिए, यह मिसाल भगवान के सेवकों के लिए है; और यह अमीर और गरीब आदमी को दिखाती है। मैंने जवाब दिया, सर, मुझे यह बात समझाइए। उन्होंने कहा, सुनिए; अमीर आदमी के पास दौलत है; लेकिन भगवान के सामने वह गरीब है; क्योंकि वह अपने दौलत के बारे में सोचता रहता है, और भगवान से बहुत कम प्रार्थना करता है; और जो प्रार्थनाएँ वह करता है वे आलस और बिना ज़ोर के होती हैं।
7 इसलिए, जब अमीर आदमी गरीबों को अपनी ज़रूरत की चीज़ें देता है, तो गरीब आदमी अमीर के लिए भगवान से प्रार्थना करता है; और भगवान अमीर आदमी को सभी अच्छी चीज़ें देता है, क्योंकि गरीब आदमी प्रार्थना में अमीर है; और उसकी दुआओं में भगवान के लिए बहुत ताकत होती है।
8 तब अमीर आदमी गरीबों की हर चीज़ करता है, क्योंकि उसे पता चलता है कि प्रभु उसकी सुनता है: और वह और भी खुशी से और बिना शक के, उसे वह देता है जो वह चाहता है, और ध्यान रखता है कि उसे किसी चीज़ की कमी न हो।
9 और गरीब आदमी अमीर के लिए यहोवा का धन्यवाद करता है; क्योंकि वे दोनों अपने काम यहोवा की ओर से करते हैं।
10 इसलिए, इंसानों के साथ ऐसा नहीं माना जाता कि एल्म कोई फल देता है; और वे यह नहीं जानते और न ही समझते हैं कि जब यह बेल के साथ जुड़ जाता है, तो बेल अपने लिए और एल्म के लिए, दोनों के लिए दोगुनी बढ़ोतरी करती है।

11 इसी तरह गरीब भी जब अमीरों के लिए प्रभु से प्रार्थना करते हैं, तो वह उनकी सुनता है; और उनकी दौलत बढ़ जाती है, क्योंकि वे अपनी दौलत से गरीबों की सेवा करते हैं। इसलिए वे दोनों एक-दूसरे के अच्छे कामों में हिस्सेदार बन जाते हैं।
12 इसलिए जो कोई ये काम करेगा, उसे प्रभु नहीं छोड़ेगा, बल्कि उसका नाम जीवन की किताब में लिखा जाएगा।
13 खुशकिस्मत हैं वे जो अमीर हैं, और खुद को बढ़ता हुआ देखते हैं: क्योंकि जो यह समझता है, वह दूसरों की कुछ सेवा कर पाएगा।

ईडन की भूली हुई किताबें

जबूलून का नियम 2:1-21
1 और अब बच्चों, मैं तुमसे कहता हूँ कि प्रभु की आज्ञाओं का पालन करो, और अपने पड़ोसियों पर दया करो, और सभी के प्रति दया रखो, न केवल मनुष्यों के प्रति, बल्कि जानवरों के प्रति भी।
2 इन सब बातों के कारण प्रभु ने मुझे आशीर्वाद दिया, और जब मेरे सभी भाई बीमार थे, तो मैं बिना बीमारी के बच गया, क्योंकि प्रभु हर एक का मकसद जानता है।
3 इसलिए, मेरे बच्चों, अपने दिल में दया रखो, क्योंकि जैसा इंसान अपने पड़ोसी के साथ करता है, वैसा ही प्रभु भी उसके साथ करेगा।
4 क्योंकि मेरे भाइयों के बेटे यूसुफ की वजह से बीमार होकर मर रहे थे, क्योंकि उन्होंने अपने दिल में दया नहीं दिखाई; लेकिन मेरे बेटे बिना बीमारी के बच गए, जैसा कि तुम जानते हो।
5 और जब मैं कनान देश में समुद्र के किनारे था, तो मैंने अपने पिता याकूब के लिए बहुत सारी मछलियाँ पकड़ीं; और जब बहुत सी मछलियाँ समुद्र में डूब गईं, तब भी मैं बिना किसी चोट के बच गया।
6 मैं समुद्र पर चलने के लिए नाव बनाने वाला पहला व्यक्ति था, क्योंकि प्रभु ने मुझे उसमें समझ और बुद्धि दी थी।
7 और मैंने उसके पीछे एक पतवार उतारी, और बीच में लकड़ी के एक और सीधे टुकड़े पर पाल तान दिया।
8 और मैं वहाँ किनारे-किनारे चलता रहा, और अपने पिता के घराने के लिए मछलियाँ पकड़ता रहा, जब तक हम मिस्र नहीं पहुँच गए।
9 और दया करके मैंने अपनी पकड़ी हुई चीज़ें हर अजनबी के साथ बांटीं।
10 और अगर कोई आदमी अजनबी, बीमार या बूढ़ा होता, तो मैं मछली उबालकर उसे अच्छे से पकाता, और हर आदमी को उसकी ज़रूरत के हिसाब से देता, और उनके साथ दुख मनाता और उन पर दया करता।
11 इसलिए प्रभु ने मुझे मछली पकड़ते समय बहुत सारी मछलियाँ देकर संतुष्ट किया; क्योंकि जो अपने पड़ोसी के साथ बाँटता है, उसे प्रभु से कई गुना ज़्यादा मिलता है।
12 पाँच साल तक मैं मछली पकड़ता रहा और जिस किसी आदमी को देखता था, उसे देता था, और यह मेरे पिता के पूरे घराने के लिए काफी था।
13 और गर्मियों में मैं मछली पकड़ता था, और सर्दियों में मैं अपने भाइयों के साथ भेड़ें चराता था।
14 अब मैं तुम्हें बताता हूँ कि मैंने क्या किया।
15 मैंने सर्दियों में एक आदमी को नंगा देखा और उस पर तरस खाया, और अपने पिता के घर से चुपके से एक कपड़ा चुराकर उसे दे दिया जो परेशान था।
16 इसलिए, मेरे बच्चों, जो कुछ परमेश्वर तुम्हें देता है, उसमें से बिना किसी हिचकिचाहट के सब लोगों पर दया और दया दिखाओ, और हर एक को अच्छे दिल से दो।

17 और अगर तुम्हारे पास ज़रूरतमंद को देने के लिए पैसे नहीं हैं, तो उस पर दया करो।
18 मुझे पता है कि मेरे हाथ में उसे देने के लिए कुछ नहीं था जिसे ज़रूरत थी, और मैं उसके साथ सात फर्लांग तक रोता हुआ चला, और मेरे दिल उस पर दया से तड़प उठे।
19 इसलिए, मेरे बच्चों, तुम भी हर इंसान पर दया और दया करो, ताकि प्रभु भी तुम पर दया और दया करे।
20 क्योंकि आखिरी दिनों में भी परमेश्वर धरती पर अपनी दया भेजेगा, और जहाँ कहीं उसे दया का भाव मिलेगा, वहाँ वह वास करेगा।
21 क्योंकि जिस हद तक एक इंसान अपने पड़ोसियों पर दया करता है, उसी हद तक प्रभु भी उस पर दया करता है।